प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– औरैया, उ0प्र0।

पत्र संख्या : एस0पी0एम0यू0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2022–23/ 5500 **दिनांक :** 02-11-2022

विषयः–राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 21 से 23 सितम्बर 2022 में किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में पायी गयी कमियों को निस्तारित करने के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सपोर्टिव सुपरविजन की टीम द्वारा दिनांक दिनांक 21 एवं 23 सितम्बर, 2022 को जनपद औरैया के विभिन्न स्वास्थ्य इकाईयों पर दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया।

भ्रमण दल द्वारा पर्यवेक्षण के दौरान चिकित्सा इकाईयों में दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है।

उपरोक्त आख्या इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको इस निर्देश के साथ प्रेषित की जा रही है कि भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों एवं दिये गये सुझावों के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करते हुए बिन्दुवार अनुपालन आख्या/कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को 01 सप्ताह के भीतर हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

संलग्नक– भ्रमण आख्या (ई–मेल द्वारा प्रेषित)।

भवदीया

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्र संख्या : एस0पी0एम0यू0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2022–23/ तद्दिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. महानिदेशक–चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
2. महानिदेशक–परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
3. जिलाधिकारी–अध्यक्ष–जिला स्वास्थ्य समिति जनपद– औरैया।
4. मण्डलीय अपर निदेशक–चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कानपुर मण्डल, कानपुर।
5. समस्त महाप्रबन्धक, एस0पी0एम0यू0, उ0प्र0।
6. मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला संयुक्त चिकित्सालय, औरैया।
7. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, जनपद औरैया को इस आशय के साथ प्रेषित कि आख्या का अनुपालन कराते हुए कृत कार्यवाही की प्रगति रिपोर्ट प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

(डॉ0 रिंकू श्रीवास्तव)
जनपदीय नोडल अधिकारी,
औरैया/कानपुर।

पर्यवेक्षण आख्या जनपद– औरैया
भ्रमण दिनांक 21–23 सितम्बर, 2022

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम. एण्ड.ई./2022–23/04/2566–2 दिनांक 19.07.2022 द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु दिये गये निर्देश के क्रम में राज्य स्तरीय टीम द्वारा दिनांक 21–23 सितम्बर, 2022 के मध्य जनपद–औरैया का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान जिला स्तरीय अधिकारियों डी0पी0एम0 व डी0सी0पी0एम0 के द्वारा भ्रमण को अपेक्षित सहयोग प्रदान नहीं किया गया।

टीम के सदस्य –

1. डा0 कमल मिश्रा, सलाहकार, क्वालिटी, एस.पी.एम.यू., एन.एच.एम, लखनऊ।
2. सादिया सिद्दीकी, सलाहकार, आर0बी0एस0के0, एस.पी.एम.यू., एन.एच.एम, लखनऊ।

दिनांक– 21.09.2022

दिनांक 21.09.2022 को भ्रमण दल द्वारा जिला संयुक्त चिकित्सालय जनपद–औरैया, तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द– बिधुना का भ्रमण किया गया। पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकित बिन्दु निम्नलिखित है –

जिला संयुक्त चिकित्सालय औरैया

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही/सुझाव	उत्तरदायित्व
• सामान्य प्रसव वाले सभी लाभार्थी 48 घण्टे चिकित्सालय में नहीं रुक रहे थे। न रूकने का कारणों का भी उल्लेख नही किया जा रहा था। • भ्रमण के समय उपस्थित स्टॉफ नर्स द्वारा अवगत कराया गया कि उसका एस0बी0ए0 प्रशिक्षण नहीं किया गया है। उक्त के कारणवश वह लेबर रूम संबंधी गतिविधियों में दक्ष नहीं पायी गयी।	• स्वास्थ्य केन्द्र को व्यवस्थित करने एवं रिकार्ड के रख रखाव हेतु चिकित्साधिकारी एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को सुझाव दिया गया। • जिला स्तर पर एस0बी0ए0 प्रशिक्षण का आयोजन किया जाये।	
• प्रसव कक्ष स्टाफ द्वारा Case Sheet पूर्णताः नहीं भरी जा रही है। • प्रसव कक्ष हेतु निर्धारित प्रोटोकॉल अपूर्ण पाये गये। • डिलीवरी के सापेक्ष पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इनसर्शन 66 प्रतिशत है। पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगाये जाने हेतु लाभार्थियों से कन्सेन्ट नहीं लिया जा रहा है। • प्रसव कक्ष में पी0पी0आई0यू0सी0डी0 रिमूवल का कोई भी आंकड़ा/दस्तावेज	• प्रसव कक्ष स्टाफ को Case Sheet पूर्णताः भरी जाने हेतु निर्देशित किया गया। • प्रसव कक्ष प्रोटोकॉल उप्लब्ध कराना सुनिश्चित करें। • परिवार नियोजन काउन्सलिंग मुहर का प्रयोग किया जाये तथा पी0पी0आई0यू0सी0डी0 के लाभार्थियों की जे0एस0वाई0 फार्म पर भी परिवार नियोजन काउन्सलिंग मुहर लगाते हुए दिनांक समय तथा सेवा प्रदाता का नाम भी लिखा जाए ताकि लाभार्थी एवं	मुख्य चिकित्सा अधिकारी/चिकित्सा अधीक्षक, नोडल अधिकारी/जिला कार्यक्रम प्रबंधक औरैया।

उपलब्ध नहीं है। • काउन्सलिंग हेतु परिवार नियोजन की मुहर नही है। • प्रसव कक्ष में हाइपोक्लोराइट/ब्लीचिंग का घोल नहीं बनाया गया था एवं गन्दी एवं खून से सनी चादरों का उचित निस्तारण नहीं किया जा रहा था। • प्रसव कक्ष में हब कटर उपलब्ध नहीं था एवं बायोमेडिकल वेस्ट का उचित निस्तारण नहीं किया जा रहा था। • प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल/सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्शन कन्ट्रोल की सही जानकारी नही है। • प्रसव कक्ष में रेडिएन्ट वार्मर उपलब्ध था। कार्यरत स्टाफ नर्स को रेडिएन्ट वार्मर के उपयोग की सही जानकारी न होने के कारण सभी जन्में बच्चों को रेडिएन्ट वार्मर में रखा जा रहा है। • लेबर रूम में ट्रे उपलब्ध थी परन्तु ठीक प्रकार से लेबल नहीं की जा रही थी। • मेडिसन ट्रे उपलब्ध थी, परन्तु एक्सपायरी डिटेल का कोई उल्लेख नहीं था। • ए0एन0सी0 कक्ष में पायी गयी वेइंग मशीन अक्रियाशील थी। • परिवार नियोजन हेतु इन्जेंक्शन अन्तरा के संबन्ध में लाभार्थियों को दिये जाने वाले पात्रता धनराशि के बारे में स्टॉफ नर्स को कोई जानकारी नहीं थी। • चिकित्सालय में के0एम0सी0 वार्ड बना हुआ था। कार्यरत स्टॉफ नर्स द्वारा मरीज को कोई भी काउन्सिलिंग नही की जा रही थी। • फील्ड से रेफरल नहीं होने के कारण 10 बेडेड एन0आर0सी0 में बेड ऑक्यूपेन्सी रेट बहुत कम है। 02 बेड ऑक्यूपाइड थे। डाइट चार्ट, एन0आर0सी0 रजिस्टर	सेवा प्रदाता का भुगतान हो पाये। • प्रत्येक पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लाभार्थी को काउन्सलिंग करे। पी0पी0आई0यू0सी0डी0 रिमूवल का डाटा भी मेन्टेन करने हेतु सुझाव दिया गया। • काउन्सलिंग हेतु परिवार नियोजन की मुहर बनवाने हेतु सुझाव दिया गया। • स्टॉफ नर्स को प्रसव कक्ष से सम्बन्धित इन्फैक्शन प्रीवेन्शन गतिविधियों हेतु प्रशिक्षण दिया जाये एवं दैनिक निरीक्षण किया जाना सुनिश्चित किया जाये। • बायोमेडिकल वेस्ट का उचित निस्तारण हेतु दैनिक निरीक्षण किया जाये एवं ऑन ड्यूटी प्रशिक्षण दिया जाये। • कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल/सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्शन कन्ट्रोल की जानकारी हेतु Re-orientation कराया जाये। • कार्यरत स्टाफ को रेडिएन्ट वार्मर के सही उपयोग हेतु जानकारी व हैण्ड होल्ड सर्पोट दिया गया। • लेबर रूम से सम्बन्धित समस्त उपकरण, 07 ट्रे एवं लॉजिस्टिक रजिस्टर का ठीक प्रकार से रख–रखाव करना। • समस्त उपकरणों का कैलीब्रेशन किया जाये एवं अक्रियाशील उपकरणों को समयबद्ध क्रियाशील बनाने हेतु प्रयास किया जाये।	लेबर रूम इन्चार्ज/हॉस्पिटल मैनेजर, औरैया। हॉस्पिटल मैनेजर/मैटर्न/आई0सी0एन0, औरैया। चिकित्सा अधीक्षक, नोडल अधिकारी/जिला कार्यक्रम प्रबंधक, औरैया।

आंशिक रूप से भरे हुए थे। • पैथोलॉजिस्ट पद रिक्त होने के कारण ब्लड बैंक अक्रियाशील है। • चिकित्सालय में आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम के अन्तर्गत लेबर रूम में तैनात स्टॉफ द्वारा नवजात शिशुओं की बर्थ डिफेक्ट स्क्रीनिंग नहीं की जा रही है। • चिकित्सालय परिसर में मिरेकल फीट इण्डिया द्वारा क्लबफुट से ग्रसित बच्चों का इलाज किया जाता है, किन्तु लेबर रूम से अब तक एक भी क्लबफुट व अन्य किसी भी बर्थ डिफेक्ट हेतु रेफरल नहीं किया गया है। • बर्थ डिफेक्ट पोस्टर लेबर रूम में डिस्प्ले नहीं था। • लैब में उपस्थित तीनों लैब टेक्नीशियन मॉर्निंग शिफ्ट में ही ड्यूटी करते है, जबकि इमरजेन्सी एवं ओ0टी0 में टेसटिंग हेतु लैब टेक्नीशियन की उपलब्धता न होने के कारण कार्य बाधित होता है व मरीजों को असुविधा होती है। • इमरजेन्सी विभाग होने पर भी ओ0पी0डी0 के बाद इमरजेन्सी सेवाओं हेतु मरीजों को 15–20 किमी दूर स्थित 50 बेडेड चिकित्सालय में रेफर किया जाता है।	• उचित कार्यवाही कर कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। • आंगनवाड़ी आशा व मोबाइल हेल्थ टीमों को नियमित रूप से एन0आर0सी0 में रेफरल हेतु जनपद स्तर पर मासिक समीक्षा बैठक व सुधार हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये। • प्राथमिकता पर पैथोलॉजिस्ट पद पर भर्ती किया जाना सुनिश्चित करें। • लेबर रूम में तैनात स्टॉफ को बर्थ डिफेक्ट स्क्रीनिंग हेतु पुनः प्रशिक्षण किये जाने की आवश्यकता है। • प्रसव कक्ष स्टाफ, मिरेकल फीट इण्डिया के साथ सामंजस्य स्थापित कर लेबर रूम से क्लबफुट रेफरल प्रारम्भ करें। • रिर्पोट के साथ संलग्न बर्थ डिफेक्ट पोस्टर को प्रिंट करवा कर लेबर रूम में डिस्प्ले सुनिश्चित करें। • लैब टेक्नीशियन की रोस्टर के अनुसार ड्यूटी लगायी जाये। • इमरजेन्सी सेवाएं 24x7 घण्टे दिया जाना सुनिश्चित करें।	चिकित्सा अधीक्षक, नोडल अधिकारी / जिला कार्यक्रम प्रबंधक, औरया। चिकित्सा अधीक्षक, नोडल अधिकारी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–बिधुना, ब्लॉक– बिधुना

पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकित बिन्दु निम्नलिखित है –

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही / सुझाव	उत्तरदायित्व
• सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–बिधुना में भी सामान्य प्रसव वाले सभी लाभार्थी 48 घण्टे चिकित्सालय में नहीं रुक रहे थे। न रूकने का कारणों का उल्लेख नही किया गया था। • Case Sheet पूर्णताः नहीं	• आवश्यक कार्यवाही कर कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। • स्वास्थ्य केन्द्र को व्यवस्थित करने एवं रिकार्ड के रख रखाव हेतु चिकित्साधिकारी एवं ब्लॉक कार्यक्रम प्रबन्धक को सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारीएवं ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक।

भरी जा रही है। • प्रसव कक्ष हेतु निर्धारित प्रोटोकॉल अपूर्ण पाये गये। • डिलीवरी के सापेक्ष 40 प्रतिशत पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इनसर्शन किया गया है। पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगाये जाने हेतु लाभार्थियों से कन्सेन्ट नहीं लिया जा रहा है। • प्रसव कक्ष में पी0पी0आई0यू0सी0डी0 रिमूवल का कोई भी आंकड़ा/दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। • प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल/सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्शन कन्ट्रोल की सही जानकारी नही है। • मेडिसन ट्रे उपलब्ध थी, परन्तु एक्सपायरी डिटेल का कोई उल्लेख नहीं था। • सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–बिधुना में आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम के अन्तर्गत लेबर रूम में तैनात स्टॉफ द्वारा नवजात शिशुओं की बर्थ डिफेक्ट स्क्रीनिंग कर क्लबफुट से ग्रसित बच्चों को इलाज हेतु सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाता है। जबकि जिला संयुक्त चिकित्सालय औरैया में मिरेकल फीट इण्डिया द्वारा क्लबफुट से ग्रसित बच्चों का इलाज किया जाता है। • बर्थ डिफेक्ट पोस्टर लेबर रूम में डिस्प्ले नहीं था। • वार्ड में बिस्तरों पर चादर नहीं बिछायी गयी थी। मरीजों को गद्दों पर सोना पड़ रहा था। • लेबर रूम में ऑटो क्लेव के	• प्रसव कक्ष स्टाफ को Case Sheet पूर्णताः भरी जाने हेतु निर्देशित किया गया। • प्रसव कक्ष प्रोटोकॉल उप्लब्ध कराना सुनिश्चित करें। • परिवार नियोजन काउन्सलिंग मुहर का प्रयोग किया जाये तथा पी0पी0आई0यू0सी0डी0 के लाभार्थियों की जे0एस0वाई0 फार्म पर भी परिवार नियोजन काउन्सलिंग मुहर लगाते हुए दिनांक समय तथा सेवा प्रदाता का नाम भी लिखा जाए ताकि लाभार्थी एवं सेवा प्रदाता का भुगतान हो पाये। • प्रत्येक पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लाभार्थी को काउन्सलिंग करे। पी0पी0आई0यू0सी0डी0 रिमूवल का डाटा भी मेन्टेन करने हेतु सुझाव दिया गया। • कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल/सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्शन कन्ट्रोल की जानकारी हेतु Re-orientation कराया जाये। • लेबर रूम से सम्बन्धित समस्त उपकरण, 07 ट्रे एवं लॉज़िस्टिक रजिस्टर का ठीक प्रकार से रख–रखाव करना। • सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–बिधुना के स्टाफ, मिरेकल फीट इण्डिया व जिला संयुक्त चिकित्सालय औरैया के साथ सामंजस्य स्थापित कर चिन्हित बच्चों को इलाज हेतु जिला	नोडल अधिकारी/ प्रभारी चिकित्सा अधिकारी/ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक/डी0सी0पी0एम0 इन्चार्ज लेबर रूम।

अन्दर गन्दगी पायी गयी। डिस–इन्फेशन प्रकिया में सर्वप्रथम उपकरणों को साफ किया जाता है। • **50 बेडेड नवीन एम0सी0 एच0 भवन–** परिसर में 50 बेडेड भवन का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है, जिसका हैण्डओवर किया जाना है। भ्रमण के समय अवलोकन करने पर निम्न गैप पाये गये। • लैब में हैण्ड वॉशिंग एवं सिंक की व्यवस्था नहीं है। • लेबर रूम में हैण्ड वॉशिंग नहीं है एवं पेशेंट वेटिंग एरिया में स्क्रब स्टेशन बनाये गये हैं। • ओ0पी0डी0 चैम्बर में कहीं पर भी हैण्ड वॉशिंग की व्यवस्था नहीं है। • ओ0टी0 / लेबर रूम में फॉल सीलिंग बनाई गई है, जोकि प्रोटोकॉल के विरूद्ध हैं। • ओ0टी0 में जोनिंग प्रोटोकॉल के अनुरूप कक्षों का सही निर्धारण नहीं किया गया है। • स्क्रब स्टेशन पर एल्बो टेप नहीं लगाये गये थे। • रैम्प में हैण्ड रेलिंग नहीं लगाये गये हैं। • मेडिसीन डिस्पेन्सी काउन्टर पर मरीजों से कम्यूनिकेशन हेतु ग्लास में छिद्र नहीं बनाये गये है।	संयुक्त चिकित्सालय औरैया मे रेफरल किया जाना सुनिश्चित करें। • रिर्पोट के साथ संलग्न बर्थ डिफेक्ट पोस्टर को प्रिंट करवा कर लेबर रूम में डिस्प्ले सुनिश्चित करें। • ऑटोक्लेव के हर साइकिल में उपकरणों को साफ किया जाना सुनिश्चित किया जाये। • नवीन भवन में हैण्डओवर लेने से पूर्व उल्लेखित समस्त बिन्दुओं पर उचित कार्यवाही कर सही कराना सुनिश्चित करें।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी / एम0ओ0आई0सी0।

दिनांक– 22.09.2022

दिनांक 22.09.2022 को भ्रमण दल द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–सहायलपुर, हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर– जगजीवनपुर, उच्च प्रा0विद्यालय– कनमऊ तथा समुदाय का भ्रमण किया गया। पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकित बिन्दु निम्नलिखित है –

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–सहायलपुर

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही / सुझाव	उत्तरदायित्व
• ओ0पी0डी0 सुविधायें आयुष एम0ओ0 द्वारा सप्ताह में 02 दिन दी जा रही है। • ए0एन0सी0 डिलीवरी, परिवार नियोजन व अन्य सम्बन्धित सुविधायें स्टॉफ की अनुपलब्धता के कारण इकाई से प्रदान नहीं जा रही है। • सम्बन्धित क्षेत्र में स्किन इन्फेक्शन के अत्यधिक केस निकल रहे, किन्तु ट्रिटमेन्ट हेतु दवाओं का अभाव है। • लैब में एल0टी0 द्वारा सप्ताह में एक ही दिन स्पूटम सम्बन्धी जांच की जा रही है। • भवन में ओ0टी0 लेबर रूम ओ0पी0डी0 आई0पी0डी0 हेतु उचित व्यवस्था है, परन्तु उपकरणों, दवाओं एवं सम्बन्धित स्टॉफ के अभाव के कारण मरीजों को लाभ नहीं मिल पा रहा है।	• पी0एच0सी0 सहायलपुर पर आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता एवं फुल टाइम मेडिकल ऑफिसर, लैब टेक्नीशियन व स्टॉफ नर्स की नियुक्ति सुनिश्चित करते हुए 01 माह के भीतर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को क्रियाशील किया जाये। • दिये गये सुझाव के अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जाये।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी / डी0पी0एम0

हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर– जगजीवनपुर, ब्लॉक– दिबियापुर (भाग्यनगर)

पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकित बिन्दु निम्नलिखित है –

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही / सुझाव	उत्तरदायित्व
• हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर में कार्यरत सी.एच.ओ. के द्वारा एन.सी.डी. स्क्रीनिंग का कार्य किया जा रहा था। • हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर में पानी का कनेक्शन नहीं था। • सभी हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर में जन आरोग्य समिति के गठन की कार्यवाही पूर्ण की जाये एवं समिति के सदस्यों का विवरण व बैठक की कार्यवाही का रजिस्टर में	• हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर में पानी का कनेक्शन शीघ्र करवाये जाने हेतु सुझाव दिया गया।	अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी / डी0पी0एम0 / डी0सी0पी0एम0

भी अंकन किया जाना चाहिए। • सेंटर पर परिवार नियोजन के साधन व आई.ई.सी. उपलब्ध था।		
• काउन्सलिंग हेतु परिवार नियोजन की मुहर नही पाया गया। • हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर पर योगा हेतु स्थान का निर्धारण किया जाना चाहिए।	• काउन्सलिंग हेतु परिवार नियोजन की मुहर बनवाने तथा योगा हेतु स्थान का निर्धारण करने हेतु सुझाव दिया गया।	
• ए0एन0एम0 की नियुक्ति नहीं है, जिससे ए0एन0सी0 एवं डिलीवरी की सुविधायें एच0डब्लू0सी0 पर नहीं दी जा रही है।	• ए0एन0एम0 की नियुक्ति यथाशीघ्र किया जाना सुनिश्चित करें।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी / डी0सी0पी0एम0।
• विद्युत कनेक्शन न होने के कारण कटिया डाल कर काम किया जा रहा है।	• यथाशीघ्र वैध कनेक्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।	
• लैब टेक्नीशियन न होने के कारण संबंधी सेवाओं का आभाव है।	• लैब टेक्नीशियन की तैनाती की जाए।	
• सी0एच0ओ0 भवन एवं ए0एन0एम0 भवन के बीच में स्ट्रक्चरल कनेक्शन नहीं है।		
• ए0एन0एम0 आवास को व्यवस्थित किया जाना आवश्यक है।	• दोनों भवनों के बीच में स्ट्रक्चरल लिंकेज स्थापित किया जाये।	
• डिलीवरी टेबल, लेबर रूम ट्रे, लेबर रूम प्रोटोकॉल एवं डिलीवरी से संबंन्धित समस्त उपकरणों का अभाव है।		

उच्च प्रा0विद्यालय– कनमऊ, ब्लॉक – सहार

पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकित बिन्दु निम्नलिखित है –

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही / सुझाव	उत्तरदायित्व
क्षेत्र भ्रमण– कनमऊ • पर्सनल हाइजीन, एन0सी0डी0 व लाइफ स्टाईल डिसीज सम्बन्धी		

Sadiya

कान्सलिंग आशा द्वारा नहीं दी जा रही है। • जे0एस0वाई0, फैमिली प्लानिंग व अन्य कार्यक्रमों से सम्बन्धित लाभार्थियों तथा आशा का भुगतान पिछले 07 माह से लम्बित पाया गया। • परिवार नियोजन हेतु स्थाई व अस्थाई साधनों सम्बन्धी प्रचार–प्रसार की कमी पायी गयी व आशा द्वारा प्रसव पूर्व परिवार नियोजन के लाभार्थियों को काउन्सिलिंग नहीं की जा रही है। • एडोलसेन्ट हेल्थ सम्बन्धी कार्य सन्तोषजनक नहीं है। • विफ्स व सैनेटरी नैपकीन लाभार्थियों को उपलब्ध नहीं हो पा रही है। • माहवारी से सम्बन्धित जानकारी व साफ–सफाई व सैनेटरी नैपकीन के सुरक्षित निस्तारण हेतु सामुदाय में जागरूकता का अभाव है, आशा द्वारा इस विषय पर बात नहीं की जाती है।	• आशा सांगनी एवं ब्लॉक कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर के द्वारा आशाओं द्वारा हाउस होल्ड विजिट काउन्सिलिंग रिकॉर्ड कीपिंग को रेगुलर मॉनिटर किया जाये एवं स्वंय के द्वारा भी औचित्य भ्रमण आशा के क्षेत्र में करके किये जा रहें कार्यों का विवरण लिया जाये।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक। नोडल अधिकारी / प्रभारी चिकित्सा अधिकारी / ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक / डी0सी0पी0एम0 मुख्य चिकित्सा अधिकारी / एम0ओ0आई0सी0।

दिनांक– 23.09.2022

दिनांक 23.09.2022 को भ्रमण दल द्वारा अरबन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र औरैया, 50 बेडेड हॉस्पिटल औरैया, हेल्थ वेलनेस सेंटर– देवरपुर एंव भ्रमण किया गया। पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकित बिन्दु निम्नलिखित है

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही / सुझाव	उत्तरदायित्व
अरबन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र औरैया • नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र एक किराये के भवन में संचालित है जहॉ सीलन थी। • नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र का बोर्ड डिस्प्ले नहीं था।		नोडल अधिकारी एन0यू0एच0एम0 / जनपदीय अरबन हेल्थ कोर्डिनेटर

• चिकित्सालय में ई0डी0एल0 प्रदर्शित नहीं था। • नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र पर रोगी कल्याण समिति का गठन किया गया है। जिनका पंजीकरण एवं बैंक खाता संचालित है परन्तु आर0के0एस0 रजिस्टर केन्द्र पर अवलोकन हेतु उपलब्ध नही कराया गया। • नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर प्रसव कक्ष भी स्थापित है। • BMW हेतु लाल, नीला एवं पीली बाल्टी भी उपलब्ध थी। • ऑक्सीजन सिलेण्डर उपलब्ध था। • फैमिली प्लानिंग से सम्बन्धित समस्त रजिस्टर/कार्ड अधिकतर उपलब्ध नहीं पाये गये। • काउन्सलिंग हेतु परिवार नियोजन की मुहर नही पाया गया। • उक्त सेन्टर पर परिवार नियोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्तरा इन्जेक्शन लगवाये जाने हेतु आशा को कोई लिखित ड्क्यूमेन्ट नहीं दिया जाता है, जिस कारण उनका भुगतान नहीं हो पा रहा है। • फार्मसी विभाग के सामने रजिस्टर, पेपर अधिक मात्रा में डम्प है। <u>50 बेडेड हॉस्पिटल औरैया</u> – • ओ0पी0डी0 में मरीज के लिए प्राइवेसी हेतु कोई व्यवस्था नहीं थी। • ओ0पी0डी0 चैम्बर में हैण्डवॉश की व्यवस्था नहीं थी। • 50 बेडेड से हॉस्पिटल में बच्चों को 100 बेडेड से हॉस्पिटल में रेफर किया जाता है एंव रेफर के उपरान्त बच्चे की हेल्थ के विषय में फॉलोअप नहीं किया जाता है। • उक्त हॉस्पिटल में 04 स्त्री रोग विशेषज्ञ तैनात होने के बाद भी ओ0टी0 अक्रियाशील है एवं ओ0पी0डी0 में ए0एन0सी0	• दल द्वारा भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों को शीघ्र सुधारात्मक कार्यवाही हेतु सुझाव दिया गया। • काउन्सलिंग हेतु परिवार नियोजन की मुहर बनवाने हेतु सुझाव दिया गया। • आशा को अन्तरा इन्जेक्शन लगवाने हेतु प्रिन्टेड दस्तावेज उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। • रैक एवं अलमारी उपलब्ध कराकर व्यवस्थित रूप से रखा जाये। • पीडियाट्रिशियन के साथ विचार–विमर्श कर सुझाव दिया गया कि रेफर रजिस्टर बनाकर फॉलोअप किया जाना सुनिश्चिति किया जाये एवं सप्ताह में एक बार एस0एन0सी0यू0 में विजिट किया जाना सुनिश्चित किया जाये। • ओ0पी0डी0 समय में एक स्त्री रोग विशेषज्ञ की उपस्थिति लेबर रूम में सुनिश्चित की जाये।	

चेकअप का कार्य सम्पादित कर रही है एवं लेबर रूम में भी उनकी दक्षता का उपयोग नहीं किया जा रहा है। • चारों स्त्री रोग विशेषज्ञ एक ही 10/10 के रूम में अपने कार्यों का सम्पादन कर रही है, जिससे पेशेन्ट प्राइवेसी एवं काउन्सिलिंग में बाधा उत्पन्न हो रही है।	• लेबर रूम या इमरजेन्सी रोटेशन में ड्यूटी लगाकर उनकी विशेषज्ञताओं का अधिकतम लाभ मरीजों को दिया जाना सुनिश्चित किया जाये।	
• लेबर रूम जाने के रास्ते में टेबल कुर्सी पायी गयी, जोकि स्ट्रेक्चर एवं व्हील चेयर से प्रसूता को लेबर रूम में ले जाने में बाधक है।	• शीघ्र कार्यवाही कर जगह को खाली कराया जाये।	
• लेबर में ट्राइज की व्यवस्था नहीं थी।	• दिये गये सुझाव के अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जाये।	
• हॉस्पिटल मैनेजर का रूम बहुत अन्दर स्थित है, जिससे चिकित्सालय के मुख्य द्वार या नवीन भवन में स्थानान्तरित किया जाये।	• उक्त को सम्बन्धित रूम (सौल्यूस) में व्यवस्थि रूप से रखा जाये।	
• साफ–सफाई हेतु झाडु, पोछा, टॉयलेट क्लीनर, ब्रश इत्यादि कॉरिडोर में अव्यवस्थित पाये गये।	• दिये गये सुझाव के अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जाये।	
• लैब एवं इमरजेन्सी में कम स्थान होने के कारण अव्यवस्थायें पाई गई। लैब में सैम्पल कलेक्शन, रिपोर्टिंग टेस्टिंग एक ही कक्ष में किया जा रहा है, जोकि नियम के विरूद्ध है।		

हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर– देवरपुर, ब्लॉक– दिबियापुर (भाग्यनगर)

पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकित बिन्दु निम्नलिखित है –

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही/सुझाव	उत्तरदायित्व
• हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर में कार्यरत सी.एच.ओ. के द्वारा एन.सी.डी. स्क्रीनिंग का कार्य किया जा रहा था। • हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर में पानी का कनेक्शन नहीं था। • सभी हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर	• हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर में पानी का कनेक्शन शीघ्र करवाये जाने हेतु सुझाव दिया गया।	अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी/डी0पी0एम0/डी0सी0पी0एम0

में जन आरोग्य समिति के गठन की कार्यवाही पूर्ण की जाये एवं समिति के सदस्यों का विवरण व बैठक की कार्यवाही का रजिस्टर में भी अंकन किया जाना चाहिए। • सेंटर पर परिवार नियोजन के साधन व आई.ई.सी. उपलब्ध था। • काउन्सलिंग हेतु परिवार नियोजन की मुहर नही पाया गया। • हेल्थ एंव वेलनेस सेंटर पर योगा हेतु स्थान का निर्धारण किया जाना चाहिए।	• काउन्सलिंग हेतु परिवार नियोजन की मुहर बनवाने तथा योगा हेतु स्थान का निर्धारण करने हेतु सुझाव दिया गया।	
• ए0एन0एम0 की नियुक्ति नहीं है, जिससे ए0एन0सी0 एवं डिलीवरी की सुविधायें एच0डब्लू0सी0 पर नहीं दी जा रही है।	• ए0एन0एम0 की नियुक्ति यथाशीघ्र किया जाना सुनिश्चित करें।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी / डी0सी0पी0एम0।
• विद्युत कनेक्शन न होने के कारण कटिया डाल कर काम किया जा रहा है।	• यथाशीघ्र वैध कनेक्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।	
• लैब टेक्नीशियन न होने के कारण संबंधी सेवाओं का आभाव है। • डिलीवरी टेबल, लेबर रूम ट्रे लेबर रूम प्रोटोकॉल एवं डिलीवरी से संबन्धित समस्त उपकरणों का अभाव है। • जल भराव की समस्या के कारण आवागमन बाधित था।		
• सी0एच0ओ कक्ष में पानी टपक रहा था। • कैम्पस में पीने के पानी की व्यवस्था नही थी।	• यथाशीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।	

भ्रमण के उपरान्त पर्यवेक्षण दल द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर0सी0एच0 तथा नोडल आर0बी0एस0के0 के साथ बैठक में भ्रमण के दौरान चिन्हित किये गये समस्त

गैप्स की जानकारी दी गयी। सुझाव दिया गया कि इकाईवार नियमित रूप से मूल्यांकन एवं अनुश्रवण किया जाये, जिससे कि पाये गये गैप्स का निराकरण किया जा सके।

भ्रमण के दौरान संज्ञान में आया कि आर0बी0एस0के0 के अन्तर्गत कार्यरत मोबाइल हेल्थ टीम के चिकित्सकों की तैनाती कोविड सम्बन्धित कार्यो में है। सर्वविदित है कि कोविड–19 के संक्रमण की तीव्रता कम होने पर मिशन निदेशक के निर्देशानुसार टीम के सदस्यों को अपने मूल तैनाती स्थान पर कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया है। ऐसे न करने से उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना है। इससे यह अवगत कराना समाचीन होगा कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित आर0बी0एस0के0 से सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा कार्यक्रम में वांछित प्रगति हेतु अधिक रूचि तथा प्रयास की आवश्यकता है जिससे उपचारित बच्चों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो सके। मुख्य चिकित्साधिकारी तथा नोडल आर0बी0एस0के0 को डी0पी0एम0 के सहयोग से आर0बी0एस0के कार्यक्रम के सभी गतिविधियो की ब्लाकवार एवं टीमवार नियमित समीक्षा करने हेतु सुझाव दिया गया। जनपद द्वारा एच0एम0आई0एस0 के आंकड़ों की नियमित समीक्षा तथा वैलिडेशन प्रत्येक स्तर पर किया जाये। आर0बी0एस0के0 वाहन लॉगबुक का नियमित रूप से सत्यापन किया जाये।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारियो द्वारा आश्वासन दिया गया कि शीघ्र ही समस्त गैप्स का निराकरण कर दिया जायेगा।

(सदिया सिद्दीकी)
डी०ई०आई०सी० कन्सलटेंट
एस०पी०एम०यू०, एन०एच०एम०

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– औरैया, उ0प्र0।

पत्र संख्या : एस0पी0एम0यू0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2022–23/ **दिनांक :** 02-11-2022

विषयः–राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 21 से 23 सितम्बर 2022 में किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में पायी गयी कमियों को निस्तारित करने के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सपोर्टिव सुपरविजन की टीम द्वारा दिनांक दिनांक 21 एवं 23 सितम्बर, 2022 को जनपद औरैया के विभिन्न स्वास्थ्य इकाईयों पर दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया।

भ्रमण दल द्वारा पर्यवेक्षण के दौरान चिकित्सा इकाईयों में दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है।

उपरोक्त आख्या इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको इस निर्देश के साथ प्रेषित की जा रही है कि भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों एवं दिये गये सुझावों के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करते हुए बिन्दुवार अनुपालन आख्या/कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को 01 सप्ताह के भीतर हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

संलग्नक– भ्रमण आख्या (ई–मेल द्वारा प्रेषित)।

भवदीया

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्र संख्या : एस0पी0एम0यू0/सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2022–23/ 5500-7 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. महानिदेशक–चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
2. महानिदेशक–परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
3. जिलाधिकारी–अध्यक्ष–जिला स्वास्थ्य समिति जनपद– औरैया।
4. मण्डलीय अपर निदेशक–चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कानपुर मण्डल, कानपुर।
5. समस्त महाप्रबन्धक, एस0पी0एम0यू0, उ0प्र0।
6. मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला संयुक्त चिकित्सालय, औरैया।
7. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, जनपद औरैया को इस आशय के साथ प्रेषित कि आख्या का अनुपालन कराते हुए कृत कार्यवाही की प्रगति रिपोर्ट प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

(डॉ0 रिंकू श्रीवास्तव)
जनपदीय नोडल अधिकारी,
औरैया/कानपुर।